दैनिक भास्कर
फरीदाबाद 15-10-2024

कलाकृतियों से विद्यालय प्रांगण को एक 'लघु विश्व' में किया परिवर्तित

फरीदाबादः अंतर्विद्यालयीन प्रतियोगिता में 27 स्कूलों के पांच सौ बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

सेक्टर-21सी स्थित मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल में अंतर्विद्यालयीन प्रतियोगिता 'अभिव्यक्ति' का आयोजन किया गया। इसमें फरीदाबाद, गुरुग्राम, दिल्ली एवं आसपास के 27 विद्यालयों के लगभग 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कक्षा एक 1 से लेकर आठवीं तक के विद्यार्थियों ने अपने मन के भावों को भाषा, नृत्य, गायन, वादन, चित्रकला और शिल्पकला के माध्यम से अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता की विभिन्न श्रेणियों और 30 उपश्रेणियों में प्रतिभागियों ने संस्कृत, हिंदी, अंग्रेज़ी, फ्रेंच एवं स्पेनिश भाषाओं तथा भिन्न-भिन्न वाद्ययंत्रों, गीत, ग़ज़ल, सूफ़ी, अर्ध शास्त्रीय व पाश्चात्य नृत्य-संगीत, थियेटर एकल, माइम और भारतीय शास्त्रीय नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी।

फरीदाबाद। प्रतियोगिता में प्रस्तुति देतीं छात्राएं।

बच्चों ने चित्रकला और शिल्पकला की कलाकृतियों से विद्यालय प्रांगण को एक 'लघु विश्व' में परिवर्तित कर दिया। विद्यार्थियों ने अपनी अनुपम प्रस्तुतियों के माध्यम से विश्व में शांति, प्रेम, सद्भाव, सौहार्द और भाईचारे की आवश्यकता पर बल दिया। सुप्रसिद्ध बांसुरीवादक पंडित चेतन जोशी प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने इस दौरान कहा कि इससे ललित कलाओं का प्रचार-प्रसार होगा। इनसे छात्र इन कलाओं को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।

उन्होंने प्रतियोगिता की थीम 'सहअस्तित्व' की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज के समय में देश के भावी कर्णधारों को शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व जैसे विषय पर जागरूक करना बहुत ही सराहनीय है। प्रतियोगिता के विशिष्ट अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध कत्थक नर्तक पंडित बिरजू महाराज के पुत्र पंडित दीपक महाराज ने कला के माध्यम से शांति का संदेश प्रसारित करने के लिए विद्यालय के प्रयास की प्रशंसा की। मानव रचना शिक्षण संस्थान के उपाध्यक्ष अमित भल्ला ने इस अवसर पर कहाकि शांति, सद्भाव और भाईचारा आज के समय की आवश्यकता है। खुद को सदा शांत रखने वाला व्यक्ति न अपने जीवन में ढेरों सुख पाने के योग्य हो जाता है बल्कि वह अपने आसपास के लोगों और वातावरण को भी शांतिपूर्ण बनाए रखता है।